Disclaimer

The Institute has given the right of translation of the material in Hindi and is not responsible for the quality of the translated version. While due care has been taken to ensure the quality of the original material. If any errors or omissions are noticed in Hindi then kindly refer with English version.

अस्वीकरण

भारतीय लेखाकार संस्थान ने इस अध्ययन विषय-वस्तु के हिंदी अनुवाद का अधिकार किसी को दिया था और अनुवादित संस्करण की गुणवत्ता के लिए संस्थान उत्तरदायी नहीं है। हालाँकि, इस अध्ययन विषय-वस्तु के मूल रूप की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने का पूरा ध्यान रखा गया है, फिर भी, यदि हिंदी में कोई त्रुटि या चूक दिखाई देती है तो कृपया अंग्रेजी संस्करण का संदर्भ लें।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

प्रश्न-पत्र – 1: वित्तीय रिपोर्टिंग
(PAPER – 1: FINANCIAL REPORTING)

प्रश्न (QUESTIONS)

केस परिदृश्य I (Case Scenario I)

एचआईजे लिमिटेड विश्व स्तर पर कई तरह का व्यवसाय करने वाला समूह है, जो दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में कई व्यवसायों में संचालन करता है। अपने वित्तीय रिकॉर्ड बनाए रखने हेतु कंपनी भारतीय लेखा मानकों का पालन करती है। चूंकि फाइनेंस टीम 31 मार्च 20X2 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष हेतु खाताबही को अंतिम रूप देने और वित्तीय विवरण तैयार कर रही है, इसलिए उसे निम्नलिखित लेन-देन पर जानकारी और लेखांकन सुझाव चाहिए:

(i) 1 अक्टूबर 20X1 को, एचआईजे लिमिटेड ने जेड लिमिटेड में 40 मिलियन ₹1 ऋण पत्र हेतु सब्सक्राइब किया। ऋण पत्र 90 पैसे पर जारी किए गए थे और 30 सितंबर 20X6 को ₹1.20 पर प्रतिदेय योग्य थे। 30 सितंबर को सममूल्य के 4% पर बकाया ब्याज देय है। यह एचआईजे लिमिटेड को 9.9% की प्रभावी वार्षिक दर को दर्शाता है। एचआईजे लिमिटेड प्रतिदेय तक ऋण पत्रों को होल्ड करना चाहती है।

(ii) 1 अप्रैल 20X1 को, एचआईजे लिमिटेड ने जी लिमिटेड के साथ एक संपत्ति का संयुक्त निर्माण करना शुरू किया। इसके लिए, एक समझौता किया गया है जिसमें संपत्ति के संयुक्त संचालन एवं स्वामित्व का प्रावधान है। रखरखाव और ऋण लागत समेत सभी चालू व्यय को समान रूप से साझा किया जाना है। निर्माण कार्य 30 सितंबर 20X1 को पूरा हुआ और संपत्ति का उपयोग 1 जनवरी, 20X2 को शुरू हुआ, जिस समय इसका अनुमानित उपयोगी जीवन 20 वर्ष होने का अनुमान लगाया गया था।

संपत्ति के निर्माण में 40 करोड़ रुपये की कुल लागत आई थी। आंतरिक उपार्जन के अतिरिक्त, लागत को आंशिक रूप से 1 जनवरी, 20X1 को लिए गए 10 करोड़ रुपये के ऋण के ज़रिए वित्तपोषित किया गया था। इस ऋण पर 10% की वार्षिक दर से ब्याज

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

लगता है, जिसका भुगतान प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर को वर्ष के अंत में किया जाता है। कंपनी ने ऐसी संपत्ति के रखरखाव पर 4,00,000 रुपये खर्च किए हैं।

कंपनी ने भुगतान की गई पूरी राशि को संयुक्त उद्यम में निवेश के रूप में खाताबही में दर्ज किया है। लागू इंड एएस नियमों के अनुसार उपरोक्त लेनदेन हेतु उपयुक्त लेखांकन व्यवहार का सुझाव दें।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर, प्रासंगिक भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्न 1 से 5 का सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें।

1. जेड लिमिटेड में ऋण पत्रों को सब्सक्रिप्शन के रूप में वित्तीय साधनों का प्रारंभिक माप क्या होगा?

   (क) ₹ 40 मिलियन

   (ख) ₹ 37.782 मिलियन

   (ग) ₹ 38.4 मिलियन

   (घ) ₹ 36 मिलियन

2. 31 मार्च 20X2 को वित्तीय साधनों (जेड लिमिटेड में ऋण पत्रों के सब्सक्रिप्शन के रूप में) का अंतिम शेष कितना होगा?

   (क) ₹ 37.6 मिलियन

   (ख) ₹ 34.218 मिलियन

   (ग) ₹ 37.782 मिलियन

   (घ) ₹ 36.182 मिलियन

3. बिन्दु (ii) के संबंध में, समझौता किस प्रकृति का है?

   (क) समझौता संयुक्त उद्यम की प्रकृति का है

   (ख) समझौता संयुक्त संचालन की प्रकृति का है

   (ग) समझौता होल्डिंग सहायक संबंध की प्रकृति का है

   (घ) समझौता एसोसिएट्स (संयुक्त) की प्रकृति का है

4. एचआईजे लिमिटेड की खाताबही में पीपीई की प्रारंभिक लागत कितनी दिखाई जाएगी?

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(क) ₹ 40,50,00,000

(ख) ₹ 40,00,00,000

(ग) ₹ 20,25,00,000

(घ) ₹ 20,00,00,000

5. 31 मार्च 20X2 को समाप्त वर्ष हेतु जी लिमिटेड द्वारा अपनी खाताबही में दर्शाए जाने वाले मूल्यह्रास शुल्क की गणना करें?

(क) ₹ 50,62,500

(ख) ₹ 1,01,25,000

(ग) ₹ 1,00,00,000

(घ) ₹ 50,00,000

केस परिदृश्य II (Case Scenario II)

एफए लिमिटेड एक कंपनी है जो विमान के पुर्जे एवं इंजन बनाती है और उन्हें बोइंग तथा एयरबस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बेचती है। कंपनी द्वारा किए गए कुछ लेन-देन का विवरण इस प्रकार है:

i. 1 अप्रैल 2020 को, कंपनी ने अपनी विमान पार्ट्स की विनिर्माण फैक्ट्री में एक नई प्रोडक्शन लाइन का निर्माण करना शुरू किया।

प्रोडक्शन लाइन से संबंधित लागतें इस प्रकार हैं:

विवरण	**राशि लाख ₹ में**
मूल सामग्री की लागत (सूची मूल्य 12.5 लाख रुपये - 20% व्यापार छूट)	10.00
प्राप्य माल एवं सेवा कर जो क्रय लागत में शामिल नहीं है	1.00
30 जून, 20X2 तक तीन महीने हेतु विनिर्माण कार्य से जुड़े कर्मचारियों की नियोजन लागत	1.20
विनिर्माण से सीधे संबंधित अन्य उपरिव्यय	0.90
विनिर्माण से संबंधित बाहरी सलाहकारों को भुगतान	0.50

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

अपेक्षित विघटन (डिस्मैंटलिंग) और पुनर्स्थापना (रेस्टरेशन) लागत	2.00

प्रोडक्शन लाइन को उपयोग हेतु पूरी तरह से तैयार होने में दो महीने लगे और इसे 31 मई, 20X2 को उपयोग में लाया गया।

31 मई, 20X2 को समाप्त दो महीने की अवधि के दौरान अन्य उपरिव्यय भी किए गए थे। इनमें एक विद्युत संबंधी बड़ी खराबी के कारण ₹0.3 लाख की असामान्य लागत शामिल थी।

प्रोडक्शन लाइन का उपयोगी आर्थिक जीवन आठ वर्ष रहने की अपेक्षा है। 8 वर्षों के पश्चात्, एफए लिमिटेड को कानूनी तौर पर एक तय तरीके से संयंत्र को विघटित करना और इसके स्थान को स्वीकार्य मानक पर जीर्णोद्धार करना आवश्यक है। लागत अनुमान के अनुसार प्रोडक्शन लाइन के उपयोगी जीवन के अंत में लगभग 2 लाख रुपये की राशि खर्च होने की अपेक्षा है। यथोचित छूट दर 5% है। 5% की छूट दर पर 8 वर्षों में देय 1 रुपये का वर्तमान मूल्य लगभग 0.68 रुपये है।

उपयोग में लाए जाने के चार वर्ष के पश्चात्, प्रोडक्शन लाइन में बड़ा बदलाव करने की आवश्यकता होगी ताकि इसके उपयोगी जीवन के दूसरे आधे हिस्से में आर्थिक लाभ सृजित हो। वर्तमान कीमतों पर ऐसे बदलाव की अनुमानित लागत 3 लाख रुपये है।

31 मार्च 20X3 तक संयंत्र को कोई क्षति नहीं पहुंची थी।

ii. 31 मार्च 20X3 को समाप्त वर्ष के दौरान, एफए लिमिटेड ने विमान के पुर्जों से संबंधित एक नए प्रोडक्शन सिस्टम की स्थापना के संबंध में एक ग्राहक को परामर्श सेवाएं दीं। इस सिस्टम के कारण ग्राहक को काफी परेशानी हुई है, इसलिए ग्राहक ने सिस्टम में समस्याओं के परिणामस्वरूप होने वाले मुनाफे में होने वाली कमी को लेकर कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। ग्राहक ने 1.6 लाख रुपये के हर्जाने का दावा किया है।

एफए लिमिटेड के कानूनी विभाग का मानना है कि दावा की गई राशि देने से बचने की संभावना 25% है। कानूनी विभाग ने आगे कहा कि उन्हें यथोचित विश्वास है कि कंपनी इस प्रकार के नुकसान हेतु बीमा द्वारा कवर है। लेखाकार का मानना है कि इस दावे पर कोई भी राशि देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कंपनी किसी भी संभावित नुकसान हेतु पूरी तरह से कवर है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

iii. फ्लाईनेट लिमिटेड एफए लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। 31 मार्च 20X3 को समाप्त वर्ष हेतु फ्लाईनेट लिमिटेड से संबंधित जानकारी इस प्रकार है:

विवरण	₹ लाखों में
कर पश्चात् शुद्ध आय	120
प्राप्य खातों में कमी	20
मूल्यह्रास	25
इन्वेंट्री में वृद्धि	10
देय खातों में वृद्धि	7
देय मजदूरी में कमी	5
वर्ष हेतु कर प्रभार (स्थगित कर देयताएं)	15
भूमि की बिक्री से लाभ	2

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर, प्रासंगिक भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्न 6 से 10 का सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें।

6. प्रोडक्शन लाइन की लागत निर्धारित करने में निम्नलिखित में से किस मद को पूंजीकृत करने की आवश्यकता है?

(क) 0.3 लाख रुपये की असामान्य लागत

(ख) 1 लाख रुपये की प्राप्य जीएसटी

(ग) वस्तु के विघटन और हटाने तथा साइट के जीर्णोद्धार की लागत का प्रारंभिक अनुमान 2 लाख रुपये है।

(घ) वस्तु को हटाने और नष्ट करने तथा साइट के जीर्णोद्धार की लागत का प्रारंभिक अनुमान 1.36 लाख रुपये है।

7. कंपनी की सहायक फ्लाईनेट लिमिटेड के परिचालन से नकदी प्रवाह की गणना करें।

(क) ₹ 158 लाख

(ख) ₹ 170 लाख

(ग) ₹ 174 लाख

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

8. ग्राहक द्वारा सिस्टम की समस्याओं के परिणामस्वरूप होने वाले लाभ में कमी पर कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के संदर्भ में 31 मार्च 20X3 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु एफए लिमिटेड की खाताबही में क्या लेखांकन व्यवस्था की जानी चाहिए?

(क) ग्राहक द्वारा किए गए दावे हेतु कोई भी राशि देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कंपनी किसी भी संभावित नुकसान के प्रति उपयुक्त रूप से कवर है।

(ख) 1.6 लाख रुपये के प्रावधान को लाभ या हानि के अनुरूप प्रभार के साथ मान्यता दी जानी चाहिए।

(ग) सर्वोत्तम संभावित परिणाम के अनुसार 0.4 लाख रुपये का प्रावधान लाभ या हानि के अनुरूप प्रभार के साथ मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

(घ) आकस्मिक देयता का प्रकटीकरण 31 मार्च 20X3 के वित्तीय विवरणों में किया जाएगा। लाभ या हानि पर प्रभार, यदि कोई हो, तो दावे के निपटान की अवधि में दर्शाया जाएगा।

9. 31 मार्च 20X3 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु प्रोडक्शन लाइन के संबंध में लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित की जाने वाली कुल राशि और तुलन पत्र में किए गए विघटन (डिस्मैंटलिंग) लागत के प्रावधान के शेष राशि की गणना करें।

(क) ₹ 1.70 लाख; ₹ 1.36 लाख

(ख) ₹ 1.42 लाख; ₹ 1.70 लाख

(ग) ₹ 1.76 लाख; ₹ 1.42 लाख

(घ) ₹ 1.42 लाख; ₹ 1.76 लाख

10. 31 मई, 20X2 को प्रारंभ में पूंजीकृत की जाने वाली प्रोडक्शन लाइन की लागत की गणना करें।

(क) ₹ 13.26 लाख

(ख) ₹ 14.60 लाख

(ग) ₹ 13.96 लाख

(घ) ₹ 15.76 लाख

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

समेकित वित्तीय विवरण (Consolidated Financial Statements)

11. ए लिमिटेड के पास सहायक कंपनी बी लिमिटेड का 100% स्वामित्व है। यह 360 मिलियन रुपये में सहायक कंपनी की अपनी 60% हिस्सेदारी बेचती है और सहायक कंपनी पर नियंत्रण खो देती है। इससे सहायक कंपनी का विसंयोजित हो जायेगा और शेष 40% हिस्सेदारी हेतु इक्विटी लेखांकन पद्धति का उपयोग करते हुए सहयोगी कंपनी के रूप में लेखा करेगा। हिस्सेदारी बेचने की तिथि पर, बी लिमिटेड में किए गए निवेश का उचित मूल्य 240 मिलियन रुपये निर्धारित किया गया है। सहायक कंपनी की चिन्हित किए जाने योग्य शुद्ध परिसंपत्तियों का वहन मूल्य साख को छोड़कर 440 मिलियन रुपये है। सहायक कंपनी में पहले से अर्जित ब्याजों से संबंधित 60 मिलियन रुपये की साख दर्ज की गई है। ए लिमिटेड ने हिस्सेदारी बेचने से पहले सहायक कंपनी की साख एवं दीर्घकालिक परिसंपत्तियों की जांच की और कोई क्षति नहीं हो रही थी। रिजर्व में 4 मिलियन रुपये का क्रेडिट बिक्री हेतु उपलब्ध है और सहायक कंपनी बी लिमिटेड से संबंधित पुनर्मूल्यांकन रिजर्व में 10 मिलियन रुपये का क्रेडिट है। लाभ के कर परिणामों को नजरअंदाज कर दिया गया है।

अपेक्षित है:

(i) निपटान तिथि पर बी लिमिटेड की 60% हिस्सेदारी की बिक्री हेतु जर्नल प्रविष्टियां करें।

(ii) 40% प्रतिधारित निवेश पर लाभ की गणना करें।

इंड एएस 105: बिक्री हेतु धारित गैर-चालू परिसंपत्तियां और बंद किए गए परिचालन (Ind AS 105: Non-Current Assets Held for Sale and Discontinued Operations)

12. बी लिमिटेड ए लिमिटेड की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। ए लिमिटेड ने अपनी सहायक कंपनी बी लिमिटेड को सी लिमिटेड, जो एक सूचीबद्ध कंपनी है, को सी लिमिटेड के शेयरों के बदले बेच दिया है और अंततः सी लिमिटेड के 75% शेयरों का मालिक बन गई है।

हिस्सेदारी बेचने से पूर्व बी लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्तियां ₹10,00,000 (उचित मूल्य ₹13,00,000) हैं और पूर्व में पूंजीकृत तथा क्षति न हुई साख ₹6,00,000 है; ए लिमिटेड की खाताबही में बी लिमिटेड का वहन मूल्य ₹15,00,000 है।

जिस दिन ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड का अधिग्रहण किया, उस समय बी लिमिटेड का लाभ व हानि रिजर्व 400,000 रुपये था और अधिग्रहण के पश्चात् बी ने 100,000 रुपये का लाभ कमाया है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

लेनदेन से पहले की स्थिति इस प्रकार थी: (राशि रुपए में)

लेन-देन से पूर्व ए लिमिटेड और बी लिमिटेड का समेकन	ए लिमिटेड	बी लिमिटेड	समेकित	समेकित
साख	-	-	600,000	600,000
सहायक कंपनी में निवेश	1,500,000	-	(1,500,000)	-
निवल परिसंपत्ति	10,000,000	1,000,000	-	11,000,000
कुल परिसंपत्ति	**11,500,000**	**1,000,000**	**(900,000)**	**11,600,000**
शेयर पूंजी	2,000,000	500,000	(500,000)	2,000,000
प्रतिधारित आय	9,500,000	100,000	-	9,600,000
अधिग्रहण-पूर्व रिजर्व	-	400,000	(400,000)	-
कुल इक्विटी	**11,500,000**	**1,000,000**	**(900,000)**	**11,600,000**

बी लिमिटेड के अधिग्रहण से पूर्व सी लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्ति 380,000 रुपये (उचित मूल्य 500,000 रुपये) थी। सी लिमिटेड ने इसके पश्चात् 17,50,000 रुपये मूल्य के शेयर जारी किए (जो कि बी लिमिटेड के 100% अधिग्रहण हेतु दिए गए प्रतिफल का उचित मूल्य है), जो 600,000 रुपये अंकित मूल्य और 11,50,000 रुपये प्रीमियम था। सी लिमिटेड द्वारा शेयर जारी करने के तुरंत पश्चात् तीनों कंपनियों का तुलन पत्र इस प्रकार था:

(राशि ₹ में)

सारांशित तुलन पत्र	ए लिमिटेड	बी लिमिटेड	सी लिमिटेड
सहायक कंपनी में निवेश	1,750,000	-	1,750,000
निवल परिसंपत्ति	10,000,000	1000,000	380,000
	11,750,000	1000,000	2,130,000
शेयर पूंजी	2000,000	500,000	800,000
अतिरिक्त प्रदत्त पूंजी	-	-	1,150,000
प्रतिधारित आय	9,750,000	500,000	180,000
कुल इक्विटी	11,750,000	1,000,000	2,130,000

मूल कंपनी ए लिमिटेड की बी लिमिटेड में हिस्सेदारी थी जिसकी कीमत 15,00,000 रुपये थी और उसने सी लिमिटेड के समूह में हिस्सेदारी हेतु इसे प्रभावी रूप से बदल दिया है। अपने अलग-अलग वित्तीय विवरणों में, ए लिमिटेड

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

ने सी लिमिटेड समूह में अपने निवेश को 17,50,000 रुपये दिए गए प्रतिफल के उचित मूल्य पर बताया है।

बिना नियंत्रण वाली हिस्सेदारी का निर्धारण अधिग्रहीत सी लिमिटेड की शुद्ध पहचान योग्य परिसंपत्तियों के आनुपातिक हिस्से के संदर्भ में किया जाता है।

अभीष्ट:

(i) बी लिमिटेड के प्रभावी निपटान पर लाभ या हानि की गणना करें।

(ii) सी लिमिटेड के अधिग्रहण पर साख की गणना करें।

टिप्पणी:

क. सी लिमिटेड को समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की आवश्यकता नहीं है।

ख. इस संभावना को नज़रअंदाज़ करें कि लेनदेन को बी लिमिटेड द्वारा सी लिमिटेड के रिवर्स अधिग्रहण के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

इंड एएस 28: सहयोगी एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश (Ind AS 28: Investment in Associates and Joint Ventures)

13. एच लिमिटेड ने मार्च 20X3 के अंत में 500,000 रुपये में 100% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एस लिमिटेड खरीदी, जब एस लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्ति का उचित मूल्य 400,000 रुपये था। एच लिमिटेड ने मार्च 20X5 में एस लिमिटेड में अपने निवेश का 60% 675,000 रुपये में बेच दिया, जिससे एच लिमिटेड के पास 40% निवेश और महत्वपूर्ण प्रभाव रह गया। बेचने की तिथि पर, साख को छोड़कर, एस लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्ति का वहन मूल्य 800,000 रुपये है। एस लिमिटेड में रखे गए निवेश का उचित मूल्य बेचे गए 60% निवेश के उचित मूल्य के समानुपातिक है।

अभीष्ट:

अलग वित्तीय विवरण और समेकित वित्तीय विवरण के प्रयोजन हेतु एस लिमिटेड में 60% हिस्सेदारी की बिक्री पर एच लिमिटेड को हुए लाभ या हानि की गणना करें।

इंड एएस 41 : कृषि (Ind AS 41 : Agriculture)

14. ए लिमिटेड ने 30 सितंबर, 20X7को एक नीलामी में 100 बकरियाँ 1,00,000 रुपये में खरीदीं। इसके बाद उनके परिवहन की लागत 1,000 रुपये थी। अगर ए

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

लिमिटेड ने अपनी बकरियाँ इस नीलामी में बेची होती तो उसे परिवहन लागत भी वही उठानी पड़ती। इसके अलावा, विक्रेता द्वारा बकरियों के बाजार मूल्य पर 2% नीलामीकर्ता शुल्क देय होता। इस प्रकार ए लिमिटेड को पशु चिकित्सा व्यय पर 500 रुपये खर्च करने पड़े।

31 मार्च 20X8 को सबसे प्रासंगिक बाजार में बकरियों का बाजार मूल्य 1,10,000 रुपये तक बढ़ जाता है। बकरियों को प्रासंगिक बाजार तक पहुंचाने तक विक्रेता को 1,000 रुपये का परिवहन खर्च उठाना होगा। बकरियों के बाजार मूल्य पर 2% की दर से नीलामीकर्ता शुल्क विक्रेता द्वारा देय होगा।

1 जून 20X8 को, संस्था ने नीलामी में 18 बकरियां 20,000 रुपये में बेचीं और 150 रुपये का परिवहन शुल्क दिया। इसके अलावा, विक्रेता द्वारा बकरियों के बाजार मूल्य पर 2% नीलामीकर्ता शुल्क का भुगतान किया गया।

15 सितंबर, 20X8 को 82 बकरियों का उचित मूल्य 82,820 रुपये था। उस दिन 42 बकरियों को काटा गया, जिनको काटने की कुल लागत 4,200 रुपये थी। उस दिन उनको काटने के पश्चात् बेचना का कुल बाजार मूल्य 48,300 रुपये था, और उनके मांस को बेचने के लिए अनुमानित परिवहन लागत 420 रुपये है। कोई अन्य बिक्री लागत अपेक्षित नहीं है।

30 सितंबर, 20X8 को शेष 40 बकरियों का बाजार मूल्य ₹44,800 था। अनुमानित परिवहन लागत ₹400 थी। इसके अलावा, विक्रेता द्वारा बकरियों के बाजार मूल्य पर 2% नीलामी शुल्क देय होगा।

ए लिमिटेड मानक के अनुसार, जैविक परिसंपत्तियों को दर्शाने हेतु उचित मूल्य मॉडल को अपनाता है, तथा प्रत्येक वर्ष 30 सितम्बर और 31 मार्च को रिपोर्ट करता है तथा इन तिथियों पर उचित मूल्य निर्धारित करता है।

उपरोक्त लेनदेन की जर्नल प्रविष्टियाँ करें।

इंड एएस 28: सहयोगी एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश (Ind AS 28: Investment in Associates and Joint Ventures)

15. बीटा लिमिटेड (निवेशक) ने 2,000 इक्विटी शेयर जारी किए हैं जो रिपोर्टिंग तिथि पर अदत्त हैं। इस तिथि पर, बीटा ने अपने कर्मचारियों को 1,000 शेयर ऑप्शन जारी किया, जिन्हें बीटा के 1,000 इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जा सकता है। जारी किए गए प्रत्येक ऑप्शन का अनुदान-तिथि पर उचित मूल्य ₹1 है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

ऑप्शन पांच वर्षों में वेस्ट होंगे और सभी 1,000 ऑप्शन के वेस्ट होने की अपेक्षा है।

बीटा अपने लाभ या हानि में 200 रुपये का शेयर-आधारित पारिश्रमिक व्यय तथा चालू वर्ष में इक्विटी में ऑफसेटिंग क्रेडिट को मान्यता देता है। अल्फा लिमिटेड (निवेशक) के पास बीटा के 600 शेयर हैं। अल्फा का बीटा पर महत्वपूर्ण प्रभाव है। अल्फा अपने लाभ या हानि में पारिश्रमिक व्यय के अपने हिस्से को इक्विटी-लेखा वाले निवेशकों से आय के हिस्से के रूप में मान्यता देता है। यह बीटा में अपने निवेश में कमी के रूप में ऑफसेटिंग क्रेडिट दर्ज करता है।

वेस्टिंग पीरियड के अंत में, सभी ऑप्शन वेस्ट हो जाते हैं और उनका एक्सरसाइज किया जाता है। एक्सरसाइज प्राइस प्रति ऑप्शन 3 रुपये है। प्रति शेयर अंकित मूल्य 1 रुपये है।

अभीष्टः

(i) पहले वर्ष हेतु शेयर-आधारित भुगतान व्यय रिकॉर्ड करने के लिए बीटा लिमिटेड और अल्फा लिमिटेड की लेखाबही में जर्नल प्रविष्टियाँ करें।

(ii) बीटा लिमिटेड की लेखाबही में 5 वें वर्ष में ऑप्शन के एक्सरसाइज के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ करें।

(iii) अल्फा लिमिटेड की लेखाबही में बीटा लिमिटेड के शेयरों के डिल्यूशन पर नुकसान की गणना करें और उसके लिए जर्नल प्रविष्टियाँ करें। शेयर जारी होने से ठीक पहले बीटा के पास कुल ₹11,000 की शुद्ध परिसंपत्ति थी।

इंड एएस 109 : वित्तीय साधन (Ind AS 109 : Financial Instruments)

16. जेडएक्स 500,000 रुपये का एक निश्चित दर वाला ऋण जारी करता है और 20,000 रुपये का निर्गत लागत वहन करता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रारंभिक वहन मूल्य 480,000 रुपये का होता है। ऋण पर 8% प्रति वर्ष की ब्याज दर लागू होती है, और इसे 10वें वर्ष के अंत में सममूल्य पर चुकाया जाना होता है। हालांकि, अनुबंध के तहत, जेडएक्स 4वें वर्ष के पश्चात् किसी भी समय 30,000 रुपये का एक निश्चित प्रीमियम देकर ऋण वापस मांग सकता है। ऑप्शन का उचित मूल्य प्रारंभ में 10,000 रुपये है। प्रभावी ब्याज दर 8.30213% है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

अभीष्ट:

(i) प्रारंभ में जारीकर्ता जेडएक्स द्वारा एम्बेडेड इशूअर-ओनली कॉल सुविधा का लेखांकन कैसे किया जाता है?

(ii) ऋण का लेखा-जोखा समझाइए जब

(क) वर्ष 1 और 2 में, समान परिपक्वता और क्रेडिट रेटिंग वाले इंस्ट्रूमेंट हेतु ब्याज दर में शुरुआत से कोई बदलाव नहीं हुआ है। वर्ष 2 के अंत में ऑप्शन का उचित मूल्य (समय मूल्य) 6,000 रुपये है।

(ख) वर्ष 3 के अंत में, ब्याज दरें घट गई हैं, और ऑप्शन का उचित मूल्य बढ़कर ₹9,000 हो गया है।

(ग) चौथे वर्ष के अंत में ब्याज दरें और घट गई हैं। ऑप्शन का उचित मूल्य बढ़कर 20,000 रुपये हो जाता है, और संस्था चौथे वर्ष के अंत में ऋण चुकाने का निर्णय लेती है।

इंड एएस 21: विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में परिवर्तन के प्रभाव (Ind AS 21: The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates)

17. पीक्यूआर लिमिटेड ने 1 फरवरी, 20X2 को एक विदेशी ग्राहक को 10,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य की वार्षिक रखरखाव सेवाएँ प्रदान करने हेतु निश्चित मूल्य अनुबंध किया है, जो दो साल की अवधि (1 अप्रैल, 20X2 - 31 मार्च 20X4) में पूरे वर्ष में समान रूप से प्रदान की जानी है। अनुबंध की शर्तों के अनुसार, इसे 1 फरवरी, 20X2 को 3,000 अमेरिकी डॉलर का अग्रिम भुगतान प्राप्त हुआ है और शेष राशि 31 मार्च, 20X4 को प्राप्त होनी है।

संस्था प्रत्येक वर्ष के अंत में राजस्व की गणना करती है।

जहां प्रतिफल अग्रिम में प्राप्त हो जाता है, वहां संस्था को उक्त लेनदेन का लेखा किस प्रकार करना चाहिए?

इंड एएस 7 : नकदी प्रवाह का विवरण (Ind AS 7: Statement of Cash Flows)

18. ए लिमिटेड, जिसकी कार्यात्मक मुद्रा भारतीय रुपया है, के पास 1 अप्रैल, 20X2 को 2,00,000 रुपये का नकद और नकद समतुल्य शेष था, लेकिन कोई व्यापार प्राप्य

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

या व्यापार देय नहीं था। 20X2-20X3 के दौरान, ए लिमिटेड ने निम्नलिखित विदेशी मुद्रा लेनदेन में प्रवेश किया:

1. ए लिमिटेड ने यूरोप से पुनर्विक्रय के लिए €1,00,000 का माल खरीदा, जब विनिमय दर €1 = ₹105 थी। यह शेष राशि 31 मार्च, 20X3 को अभी भी भुगतान नहीं की गई है, जब विनिमय दर €1 = ₹100 है।
2. ए लिमिटेड ने एक अमेरिकी ग्राहक को 1,50,000 डॉलर में माल बेचा जब विनिमय दर $1 डॉलर = 85 रुपये थी । यह राशि तब तय की गई जब विनिमय दर $1 = 87 रुपये थी।
3. ए लिमिटेड ने भी दीर्घकालिक ऋण समझौते के तहत €1,00,000 ऋण लिए, जब विनिमय दर €1 = ₹105 थी और इसे तुरंत €1,05,00,000 में परिवर्तित कर दिया।

बताएं कि उपरोक्त लेनदेन से उत्पन्न नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष विधि के तहत कैश फ्लो विवरण में किस प्रकार दर्शाया जाएगा।

इंड एएस 116 : पट्टे (Ind AS 116 : Leases)

19. वेल्थ लिमिटेड ने 5 वर्ष की अवधि हेतु 8 लाख रुपये के वार्षिक लीज किराए पर एक पट्टाकर्ता के साथ लीज समझौता किया है। उक्त अवधि के अंत में एक विकल्प है कि लीज का स्वामित्व पट्टेदार के पास हो सकता है। ध्यान देने योग्य अन्य बात यह है कि 8% प्रति वर्ष की छूट दर और 10% प्रति वर्ष की लीज में निहित ब्याज दर हैं।

वेल्थ लिमिटेड लीज अवधि के अंत में लीज्ड एसेट खरीदने के विकल्प का प्रयोग करने हेतु यथोचित रूप से निश्चित है और 56,00,000 रुपये 5वें वर्ष के अंत में भूमि की खरीद के लिए लीज अवधि में सहमत एक्सरसाइज मूल्य है। इसलिए, लीज देयता के वर्तमान मूल्य की गणना में इसे ध्यान में रखा गया है।

वर्ष 3 के अंत में, वेल्थ लिमिटेड ने 56 लाख रुपये के मूल्य पर भूमि खरीदने का विकल्प चुना, जबकि उस तिथि को बाजार मूल्य 75 लाख रुपये था।

संशोधित छूट दर के लिए, पट्टे में निहित ब्याज दर पर विचार करें।

अभीष्टः

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(i) पट्टादाता के साथ पट्टे हेतु पट्टा देयता और उपयोग के अधिकार की परिसंपत्ति की गणना करें। आरओयू का मूल्यह्रास एसएलएम आधार पर किया जाता है।

(ii) वर्ष 1 के अंत में तुलन पत्र, लाभ व हानि तथा नकदी प्रवाह विवरण में दर्शाई गई राशियां बताएं।

(iii) यदि वेल्थ लिमिटेड वर्ष 3 के अंत में पट्टे पर दी गई संपत्ति को खरीदने का निर्णय लेती है तो लेखांकन प्रविष्टियाँ क्या होंगी?

इंड एएस 102 : शेयर-आधारित भुगतान (Ind AS 102 : Share-based Payments)

20. मैक्स लिमिटेड अपने कर्मचारियों के साथ निम्नलिखित शर्तों पर शेयर-आधारित भुगतान व्यवस्था की है:

- यदि कोई कर्मचारी पांच वर्ष की अवधि तक नौकरी पर बना रहता है तो उसे 500 शेयर मिलेंगे।
- यह अपेक्षा है कि पांच वर्ष की अवधि के दौरान कोई भी कर्मचारी कंपनी छोड़कर नहीं जाएगा।
- पुरस्कार की अनुदान तिथि का उचित मूल्य 4,000 रुपये है।
- यदि कोई कर्मचारी पांच वर्ष की अवधि के बाद, लेकिन उसके शेयरों के सूचीबद्ध होने से पहले मैक्स लिमिटेड को छोड़ देता है, तो कंपनी के पास कर्मचारी से उचित मूल्य पर शेयर खरीदने का विकल्प होता है।
- अनुदान की तिथि से मैक्स लिमिटेड को अगले 3-5 वर्षों में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। यह पहली शेयर-आधारित व्यवस्था है और मैक्स लिमिटेड के पास कर्मचारियों के जाने पर उनसे शेयर वापस खरीदने की कोई पिछली प्रथा या घोषित नीति नहीं है। न ही मैक्स लिमिटेड को अपेक्षा है कि वह पुरस्कारों का निपटान नकद में करेगा।
- दूसरे वर्ष के अंत में, मैक्स लिमिटेड को अब सूचीबद्ध होने की उम्मीद नहीं है; और कर्मचारियों को इसके बारे में सूचित किया जाता है। मैक्स लिमिटेड कर्मचारियों को बताता है कि यदि पांच साल के बाद यह सूचीबद्ध नहीं होता है और कर्मचारी छोड़ देते हैं, तो मैक्स लिमिटेड शेयरों को फिर से खरीद लेगा। इस तिथि पर शेयरों का उचित मूल्य 6,000 रुपये है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

- वर्ष 3 के अंत में, देयता का उचित मूल्य बढ़कर ₹9,000 हो गया है

अभीष्ट

(i) वर्ष 1-3 के लिए लेखांकन निर्धारित करें।

(ii) यदि वर्ष 2 के अंत में मैक्स लिमिटेड कर्मचारियों को यह सूचित नहीं करता है कि वह पाँच वर्ष की अवधि के बाद शेयरों को पुनः खरीदेगा, तथा कंपनी के शेयरों की सूचीबद्धा होने अभी भी संभव है, तो पुरस्कारों की व्यवस्था क्या होगी। लेकिन वर्ष 6 के अंत में मैक्स लिमिटेड ने अभी तक सूचीबद्ध नहीं किया है तथा दो कर्मचारी कंपनी छोड़ देते हैं। मैक्स लिमिटेड अपने निपटान विकल्प का प्रयोग करता है तथा छोड़ने वाले कर्मचारी के शेयरों को उचित मूल्य पर खरीदता है।

सुझाए गए उत्तर (SUGGESTED ANSWERS)

केस परिदृश्य I का उत्तर (Answer to Case Scenario I)

1.	**विकल्प (घ) :** ₹ 36 मिलियन
2.	**विकल्प (ग)** : ₹ 37.782 मिलियन
3.	**विकल्प (ख) :** समझौता संयुक्त संचालन की प्रकृति का है
4.	**विकल्प (ग)** : ₹ 20,25,00,000
5.	**विकल्प (क) :** ₹ 50,62,500
6.	**विकल्प (घ):** वस्तु को हटाने और नष्ट करने तथा साइट के जीर्णोद्धार की लागत का प्रारंभिक अनुमान 1.36 लाख रुपये है।
7.	**विकल्प (ख) :** ₹ 170 लाख
8.	**विकल्प (ख)** : 1.6 लाख रुपये का प्रावधान लाभ या हानि के अनुरूप प्रभार के साथ दर्शाया जाना चाहिए।
9.	**विकल्प (ग) :** ₹ 1.76 लाख; ₹ 1.42 लाख
10.	**विकल्प (क) :** ₹ 13.26 लाख

11. (i) बेचे गए 60% हिस्सेदारी, 40% प्रतिधारित निवेश पर दर्शाया गया लाभ और सहायक कंपनी की मान्यता समाप्ति हेतु निपटान तिथि पर लेखांकन प्रविष्टि निम्नानुसार है:

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

		₹ मिलियन में	
नकद / बैंक खाता	नामे	360	
सहयोगी कंपनी में निवेश	नामे	240	
बिक्री हेतु उपलब्ध रिजर्व	नामे	4	
पुनर्मूल्यांकन रिजर्व	नामे	10	
शुद्ध परिसंपत्तियों में (साख सहित)			500
प्रतिधारित आय में			10
नियंत्रण हिस्सेदारी के निपटान पर प्राप्त लाभ			104

बेची गई हिस्सेदारी और धारित निवेश पर 104 मिलियन का लाभ आय विवरण में दर्शाया गया है और समेकित वित्तीय विवरणों में इसका प्रकटीकरण किया गया है।

(ii) प्रतिधारित गैर-नियंत्रण निवेश के उचित मूल्य पर पुनर्मापन की गणना:

	₹ मिलियन में
प्रतिधारित निवेश का उचित मूल्य	240
सहायक कंपनी के वहन मूल्य का प्रतिशत [(440+ 60) x 40%]	(200)
प्रतिधारित निवेश पर लाभ	40

बेची गई हिस्सेदारी पर तथा आय विवरण में दर्शाए गए प्रतिधारित निवेश पर लाभ या हानि की गणना निम्न प्रकार से की जाती है:

	₹ मिलियन में
प्रतिफल का उचित मूल्य	360
प्रतिधारित निवेश का उचित मूल्य	240
	600
घटाएँ: पूर्व सहायक कंपनी की शुद्ध परिसंपत्तियों का वहन मूल्य (440 + 60)	(500)
आय में स्थानांतरित बिक्री हेतु उपलब्ध आरक्षित राशि	4
बेची गई हिस्सेदारी और धारित निवेश पर लाभ	104

12. बी लिमिटेड में हिस्सेदारी की प्रभावी बिक्री [100%- (100% का 75%) = 25% जिसे बी लिमिटेड में गैर-नियंत्रित हिस्सेदारी माना जाएगा।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

ए लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों के संबंध में, 'लाभ या हानि' (बी लिमिटेड के 25% के निपटान पर) की गणना करना आवश्यक है, जिसे इक्विटी और (सी लिमिटेड के अधिग्रहण पर) उत्पन्न होने वाली साख में दर्शाया गया है।

जब नियंत्रण धारित रखा जाता है, तो यह ध्यान रखना चाहिए कि बेची गई हिस्से से जुड़ी साख अपरिवर्तित रहती है और इसे गैर-नियंत्रक हिस्सेदारी में आवंटित किया जाता है। इसके अलावा, अगर नियंत्रण बरकरार रखा जाता है, तो लाभ या हानि को इक्विटी में दर्शाया जाना चाहिए।

बी लिमिटेड के 25% के निपटान पर लाभ या हानि	**₹**
ए के समेकित वित्तीय विवरण में गैर-नियंत्रक हिस्सेदारी बी लिमिटेड की गणना: परित्याग की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों का बही मूल्य तथा देय साख [(₹10,00,000 + ₹6,00,000) x 25%]	4,00,000
घटाएँ: प्रतिफल में प्राप्त व्यवसाय का उचित मूल्य (डब्ल्यूएन1)	(4,37,500)
इक्विटी में दर्शाया गया निपटान पर लाभ	37,500

तुलना की जाने वाली शुद्ध परिसंपत्तियों में किसी भी संचयी विनिमय अंतर का उचित हिस्सा और एफवीओसीआई ऋण निवेश पर कोई भी आरक्षित राशि शामिल होनी चाहिए, जिसे पहले अन्य व्यापक आय में दर्शाया गया हो और इक्विटी में संचित किया गया हो।

सी लिमिटेड के 75% अधिग्रहण पर साख	**₹**
प्रतिफल में दिया गया व्यवसाय का उचित मूल्य (₹17,50,000 x 25%)	4,37,500
गैर-नियंत्रित हिस्सेदारी सी लिमिटेड, अधिग्रहीत शुद्ध-परिसंपत्ति के आनुपातिक हिस्से पर मापा जाता है (₹5,00,000 x 25%)	1,25,000
	5,62,500
घटाएँ: अर्जित परिसंपत्तियों और देनदारियों का उचित मूल्य	(5,00,000)
साख	62,500

मान्यता प्राप्त समेकित प्रविष्टि है:

	₹	**₹**
शुद्ध चिन्हित किए जाने योग्य परिसंपत्तियों का उचित मूल्य - सी लिमिटेड नामे	5,00,000	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

साख – सी लिमिटेड	नामे	62,500	
गैर-नियंत्रित हिस्सेदारी बी लिमिटेड (16,00,000 x 25%)			4,00,000
गैर-नियंत्रित हिस्सेदारी – सी लिमिटेड (500,000 x 25%)			1,25,000
इक्विटी में			37,500

लेन-देन के पश्चात् ए लिमिटेड, बी लिमिटेड और सी लिमिटेड का समेकन

(₹ में)

लेन-देन के पश्चात् ए लिमिटेड, बी लिमिटेड और सी लिमिटेड का समेकन	ए लिमिटेड	बी लिमिटेड	सी लिमिटेड	ई लिमिटेड	समेकित
साख (डब्ल्यूएन2)	-	-	-	662,500	662,500
सहायक कंपनी में निवेश (डब्ल्यूएन 3)	1,750,000	-	1,750,000	(3,500,000)	-
निवल परिसंपत्ति	10,000,000	1,000,000	380,000	120,000	11,500,000
	11,750,000	1,000,000	2,130,000	(2,717,500)	12,162,500
इक्विटी शेयर पूंजी	2,000,000	500,000	800,000	(1,300,000)	2,000,000
अतिरिक्त प्रदत्त पूंजी	-	-	1,150,000	(1,150,000)	-
प्रतिधारित आय (डब्ल्यूएन4)	9,750,000	500,000	180,000	(792,500)	9,637,500
गैर-नियंत्रण हिस्सेदारी	-	-	-	525,000	525,000
कुल इक्विटी	11,750,000	1,000,000	2,130,000	(2,717,500)	12,162,500

टिप्पणी:

सी लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्तियों को समेकन के उद्देश्य हेतु उचित मूल्य पर समायोजित किया गया है क्योंकि ए लिमिटेड ने सी लिमिटेड का 75% अधिग्रहण कर लिया है और सी लिमिटेड का नियंत्रण प्राप्त कर लिया है।

कार्य टिप्पण:

1. ए लिमिटेड को प्रतिफल (अर्थात् सी लिमिटेड में शेयर) 17,50,000 रुपये के उचित मूल्य के साथ प्राप्त हुआ है। हालांकि, गणना में शामिल राशि बी लिमिटेड में हिस्सेदारी वाली राशि है जिसका निपटान किया जा चुका है, अर्थात 17,50,000 रुपये का 25% = 4,37,500 रुपये।

   सहायक कंपनी बी के जिस हिस्से को बेचा गया है उसका उचित मूल्य सी लिमिटेड द्वारा संपूर्ण बी लिमिटेड के लिए भुगतान की गई कीमत से प्राप्त होता है, जो 17,50,000 रुपये है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

2. 6,62,500 रुपये की साख शेष, बी लिमिटेड के अधिग्रहण पर उत्पन्न 6,00,000 रुपये की साख के पिछले शेष को दर्शाता है, साथ ही सी लिमिटेड के अधिग्रहण पर उत्पन्न 62,500 रुपये की साख को भी दर्शाता है। बी लिमिटेड के अधिग्रहण पर उत्पन्न मूल साख को बरकरार रखा जाता है और एक हिस्सा (25%) गैर-नियंत्रक हिस्सेदारी को आवंटित किया जाता है।

3. समेकन पर सी लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्तियां 3,80,000 रुपये से बढ़कर 5,00,000 रुपये के उचित मूल्य पर पहुंच गयीं।

4. **समेकित प्रतिधारित आय की गणना**

	₹
ए लिमिटेड की प्रतिधारित आय	95,00,000
₹2,50,000 के निवेश पुनर्मूल्यांकन लाभ को छोड़कर, जो कि रद्द कर दिया गया है)	
जोड़ें: बी लिमिटेड का अधिग्रहण के पश्चात् का मुनाफा	1,00,000
जोड़ें: निपटान पर लाभ (सीधे इक्विटी में मान्यता प्राप्त)	37,500
	96,37,500

5. **गैर-नियंत्रक हिस्सेदारी की गणना**

	₹
सी लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्तियों के उचित मूल्य का 25% (₹5,00,000 x 25%)	1,25,000
जोड़ें: बी लिमिटेड की शुद्ध परिसंपत्तियों का 25% (साख सहित) (₹16,00,000 x 25%)	4,00,000
	5,25,000

13. (i) 31 मार्च, 20X5 को समाप्त वर्ष हेतु एच लिमिटेड के अलग वित्तीय विवरणों में 60% निवेश की बिक्री पर लाभ की गणना

	₹
बिक्री राशि	6,75,000
घटाएँ: एस लिमिटेड में निवेश की लागत (5,00,000 x 60%)	(3,00,000)
मूल कंपनी के वित्तीय विवरण में बिक्री पर लाभ	3,75,000

(ii) 31 मार्च, 20X5 को समाप्त वर्ष हेतु एच लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों में 60% निवेश की बिक्री पर लाभ की गणना

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

समेकित वित्तीय विवरणों में, समूह निपटान पर लाभ या हानि की गणना अलग-अलग तरीके से करेगा। साख और किसी भी संचयी विनिमय अंतर की पूरी राशि और इक्विटी में पहले से मान्यता प्राप्त किसी भी एफवीओसीआई-रिजर्व सहित सभी परिसंपत्तियों की वहन राशि को तब मान्यता से हटा दिया जाता है, जब नियंत्रण खो जाता है। इसकी तुलना प्राप्त आय और धारित निवेश के उचित मूल्य से की जाती है।

निपटान पर लाभ की गणना निम्नानुसार की जाएगी:

	₹
बिक्री राशि	6,75,000
जोड़ें: 40% ब्याज का उचित मूल्य धारित है	4,50,000
	11,25,000
घटाएँ: साख सहित निपटाई गई शुद्ध परिसंपत्तियाँ (8,00,000 + 1,00,000)	(9,00,000)
समूह के वित्तीय विवरणों में बिक्री पर लाभ	2,25,000

नियंत्रण खोने पर यह लाभ लाभ या हानि में दर्ज किया जाएगा। लाभ या हानि में बेचे गए हिस्से पर 1,35,000 रुपये (6,75,000 रुपये - (9,00,000 रुपये x 60%) का लाभ शामिल है। हालांकि, इसमें 90,000 रुपये (4,50,000 रुपये - 3,60,000 रुपये) के 40% रखे गए ब्याज के पुनर्मापन पर लाभ भी शामिल है। कंपनी को लाभ के उस हिस्से का प्रकटीकरण करना होगा जो किसी भी शेष ब्याज को उचित मूल्य पर पुनर्मापन करने के कारण है जो 90,000 रुपये है।

14. जर्नल प्रविष्टियाँ

		₹	₹
30 सितम्बर, 20X7 को बकरियों की प्रारंभिक पहचान			
जैविक परिसंपत्ति (बकरी)	नामे	97,000	
प्रारंभिक मान्यता में हानि	नामे	4,000	
नकद (खरीद और खेत तक परिवहन)			101,000
(बेचने की लागत घटाकर उचित मूल्य पर बकरियों की प्रारंभिक मान्यता)			
पशुचिकित्सा व्यय	नामे	500	
नकद में			500

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

30 सितम्बर, 20X7 को पशु चिकित्सा व्यय की मान्यता (ऐसे व्यय, स्वयं में, उचित मूल्य को प्रभावित नहीं करते हैं)			
जैविक परिसंपत्ति (बकरी)	नामे	9,800	
उचित मूल्य में परिवर्तन पर लाभ में से विक्रय लागत घटाएँ (1,06,800-97,000)			9,800
31 मार्च, 20X7 रिपोर्टिंग तिथि पर बिक्री लागत घटाकर उचित मूल्य पर जैविक परिसंपत्तियों का अनुवर्ती माप)			
1 जून 20X8 को बकरियों की बिक्री			
नकद	नामे	19,450	
विक्रय व्यय (150+400)	नामे	550	
राजस्व में			20,000
(बकरियों की बिक्री से प्राप्त राजस्व की मान्यता)			
15 सितम्बर, 20X8 को जैविक परिसंपत्तियों का इन्वेंटरी में स्थानांतरण			
इन्वेंटरी (मांस)	नामे	47,880	
बकरियों पर उचित मूल्य हानि	नामे	1,176	
पिछली रिपोर्टिंग अवधि, 31 मार्च, 20X8 पर उचित मूल्य का उपयोग करके बेची गई बकरियों का अनुपात) (1,06,800 x 42/100)			44,856
नकद में			4,200
(वध किये गये बकरियों का इन्वेंटरी में स्थानांतरण)			
30 सितम्बर, 20X8 को बकरियों का अनुवर्ती माप			
उचित मूल्य में परिवर्तन पर हानि घटा बेचने की लागत	नामे	18,440	
जैविक परिसंपत्ति (बकरियां) (अंतिम रिपोर्टिंग तिथि पर बकरियों का उचित मूल्य इन्वेंटरी में स्थानांतरण को घटाकर) (43,504-(1,06,800-44,856))			18,440
30 सितम्बर, 20X8 रिपोर्टिंग तिथि पर बिक्री लागत घटाकर उचित मूल्य पर जैविक परिसंपत्तियों का अनुवर्ती माप)			

कार्य टिप्पण:

1.	**प्रारंभिक मान्यता पर बिक्री लागत घटाकर उचित मूल्य**	**₹**
	सबसे प्रासंगिक बाजार में उचित मूल्य	1,00,000
	परिवहन लागत	(1,000)

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

	नीलामीकर्ता का शुल्क		(2,000)
			97,000
2.	**31 मार्च, 20X8 को बिक्री लागत घटा उचित मूल्य और उसके पश्चात् लाभ**		
	सबसे प्रासंगिक बाजार में उचित मूल्य		1,10,000
	परिवहन लागत		(1,000)
	नीलामीकर्ता का शुल्क		(2,200)
			1,06,800
	घटाएँ: दर्ज की गई मूल लागत		(97,000)
			9,800
3.	**15 सितम्बर, 20X8 को मांस को बेचने की अनुमानित लागत घटा उचित मूल्य**		
	मांस का बाजार मूल्य		48,300
	परिवहन लागत		(420)
			47,880
	इन्वेंटरी में स्थानांतरण की तिथि पर मांस की प्रारंभिक लागत को मांस की बिक्री की लागत घटाकर उचित मूल्य पर मापा जाता है। [इंड एएस 41.13]		
4.	**30 सितम्बर, 20X8 को बिक्री लागत घटा उचित मूल्य**		
	सबसे प्रासंगिक बाजार में उचित मूल्य		44,800
	परिवहन लागत		(400)
	नीलामीकर्ता का शुल्क		(896)
			43,504

1 जून, 20X8 को बकरियों की बिक्री के कारण झुंड में आई कमी को 30 सितंबर, 20X8 को उचित मूल्य समायोजन में शामिल किया गया है। उपरोक्त को पेश करने का एक विकल्प यह है कि बकरियों को उनके बेचे जाने के ठीक पहले उचित मूल्य पर फिर से मापा जाए और जैविक परिसंपत्तियों के मूल्य में इसी कमी के साथ बिक्री की लागत का आंकड़ा अलग से दर्ज किया जाए। इससे अवधि हेतु समान शुद्ध लाभ होगा, लेकिन जैविक परिसंपत्तियों पर बिक्री की लागत और शुद्ध उचित मूल्य पुनर्माप की प्रस्तुति अलग-अलग होगी।

15. (i) **पांच वर्ष की निहित अवधि में दर्ज की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियाँ:**

	₹	₹
बीटा की खाताबही में		
शेयर आधारित भुगतान पारिश्रमिक (लाभ या हानि) नामे	200	
शेयरधारकों की इक्विटी (ईएसओपी रिजर्व)		200
(सहयोगी स्तर पर शेयर आधारित भुगतान को मान्यता देने के लिए)		

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

अल्फा की खाताबही में		
शेयर आधारित भुगतान पारिश्रमिक (लाभ या हानि) नामे	60	
सहयोगी कंपनी में निवेश		60
(निवेशक स्तर पर शेयर आधारित भुगतान को मान्यता देना)		

(ii) शेयर निर्गम को मान्यता देने हेतु बीटा की खाताबही में जर्नल प्रविष्टियाँ:

	₹	₹
नकद नामे	3,000	
शेयरधारकों की इक्विटी (ईएसओपी रिजर्व) नामे	1,000	
शेयर पूंजी में		1,000
शेयर प्रीमियम में		3,000
(सहयोगी स्तर पर विकल्पों के प्रयोग को मान्यता देना)		

(iii) अल्फा के वित्तीय विवरणों में लेखांकन

नए शेयर विकल्पों के जारी होने से बीटा में अल्फा की हिस्सेदारी 10% [30% - {(600/(2,000+1000)x100}] कम हो जाती है। हालाँकि, अल्फा बीटा पर महत्वपूर्ण प्रभाव बनाए रखता है।

अल्फा डाइल्यूशन पर हानि की गणना नीचे दिए अनुसार करता है।

कार्रवाई से पूर्व शुद्ध परिसंपत्तियों में अल्फा का हिस्सा (11,000 x 30%)	3,300
कार्रवाई के पश्चात् शुद्ध परिसंपत्तियों में अल्फा का हिस्सा ((11,000+3,000) x 20%)	(2,800)
आवश्यक संचयी समायोजन	500
घटाएँ: शेयर आधारित भुगतान व्यय हेतु पहले से मान्यता प्राप्त समायोजन (60 x 5 वर्ष)	(300)
डाइल्यूशन पर हानि	200

अल्फा डाइल्यूशन को चिन्हित करने हेतु निम्नलिखित प्रविष्टि करता है

	₹	₹
डाइल्यूशन पर हानि (लाभ या हानि) नामे	200	
सहायक कंपनी में निवेश में		200
(सहयोगी में निवेश के डाइल्यूशन को मान्यता देने के लिए)		

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

16. सबसे पहले यह तय करना आवश्यक है कि कॉल ऑप्शन होस्ट ऋण साधन से संबंधित है या नहीं। चूँकि वर्ष 4 के बाद जब भी कॉल ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है, तो निश्चित प्रीमियम का भुगतान करना आवश्यक होता है, इसलिए यह ज्ञात नहीं है कि यह ऑप्शन के एक्सरसाइज़ के बाद शेष अवधि के दौरान ह्रास हुए किसी भी ब्याज के वर्तमान मूल्य के बराबर होगा या नहीं। इसके अलावा, कॉल ऑप्शन का एक्सरसाइज़ प्राइस 5,30,000 रुपये (प्रीमियम सहित) है, इसलिए, यह वर्ष 4 में या किसी भी बाद के वर्ष में ऋण साधन की परिशोधित लागत के लगभग बराबर होने की संभावना नहीं है। परिणामस्वरूप, कॉल ऑप्शन को होस्ट ऋण अनुबंध से अलग किया जाएगा और अलग से गणना किया जाएगा। यह माना गया है कि साधन का अपेक्षित जीवन पूर्ण 10-वर्ष का है। भले ही अपेक्षित जीवन चार वर्ष माना जाता है, चार वर्षों के बाद कॉल ऑप्शन के साथ 10-वर्षीय ऋण आर्थिक रूप से छह-वर्षीय विस्तार विकल्प के साथ चार-वर्षीय ऋण के समान है। चूँकि चार साल के बाद ब्याज दर में कोई समवर्ती समायोजन नहीं होता है, इसलिए अवधि विस्तार विकल्प निकट रूप से संबंधित नहीं होगा, और इसकी अलग से गणना करना होगा। इस प्रकार, ऋण और ऑप्शन को जिस भी तरह से देखा जाए, एम्बेडेड डेरिवेटिव को अलग-अलग रखना होगा।

हालांकि, ऑप्शन आरम्भ में ही आउट ऑफ द मनी होता है, क्योंकि ऑप्शनल का निष्पादन मूल्य ऋण साधन के वहन मूल्य से अधिक होता है, इसका एक समय मूल्य (टाइम वैल्यू) होता है।

चूंकि कॉल करने योग्य बांड का मूल्य सीधे बांड के मूल्य - ऑप्शन विशेषता के मूल्य के बराबर होता है, इसलिए प्रारंभ में लेखांकन प्रविष्टियां इस प्रकार हैं:

		नामे (₹)	करोड़ (₹)
एम्बेडेड ऑप्शन (व्युत्पन्न परिसंपत्ति)	नामे	10,000	
नकद	नामे	4,80,000	
ऋण साधन (होस्ट) में			4,90,000

चूंकि कॉल ऑप्शन का उचित मूल्यांकन किया जाएगा और उसकी अलग से गणना की जायेगी, उचित मूल्य में उतार-चढ़ाव को लाभ या हानि में दर्शाया जाएगा, इसलिए इसका कंपनी के भविष्य के नकदी प्रवाह के अनुमान पर कोई

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

प्रभाव नहीं पड़ेगा; तदनुसार, परिशोधन अवधि ऋण होस्ट की मूल परिपक्वता तक की अवधि होगी। परिशोधन अनुसूची नीचे दी गई है:

	प्रारंभिक परिशोधन लागत ₹	ब्याज व्यय @ 8.30213% ₹	नकद भुगतान ₹	अंतिम परिशोधित लागत ₹
वर्ष 1	490,000	40,680	40,000	490,680
वर्ष 2	490,680	40,737	40,000	491,417
वर्ष 3	491,417	40,798	40,000	492,216
वर्ष 4	492,216	40,864	40,000	493,080
वर्ष 5	493,080	40,936	40,000	494,016
वर्ष 6	494,016	41,014	40,000	495,030
वर्ष 7	495,030	41,098	40,000	496,128
वर्ष 8	496,128	41,189	40,000	497,317
वर्ष 9	497,317	41,288	40,000	498,605
वर्ष 10	498,605	41,395	540,000	-

कंपनी, उपरोक्त परिशोधन अनुसूची के अनुसार, प्रत्येक वर्ष तुलन पत्र में लाभ या हानि में ब्याज व्यय और ऋण की परिशोधित लागत को दर्शायेगी।

वर्ष 1 और 2 में, समान परिपक्वता और क्रेडिट रेटिंग वाले इंस्ट्रूमेंट या साधन हेतु ब्याज दर में शुरुआत से कोई बदलाव नहीं हुआ है। वर्ष 2 के अंत में ऑप्शन का उचित मूल्य (टाइम वैल्यू) 6,000 रुपये है। शुरुआत से लेकर अब तक उचित मूल्य में 4,000 रुपये की कमी को लाभ या हानि में दर्शाया जाएगा, और ऑप्शन को वर्ष 2 के अंत में 6,000 रुपये पर दर्ज किया जाएगा।

वर्ष 3 के अंत में, ब्याज दरें घट गई हैं, और ऑप्शन का उचित मूल्य ₹9,000 तक बढ़ गया है। ₹3,000 के मूल्य में वृद्धि लाभ या हानि में दर्ज की जाएगी, और ऑप्शन को वर्ष 3 के अंत में ₹9,000 के अपने उचित मूल्य पर दर्ज किया जाएगा।

चौथे वर्ष के अंत में ब्याज दरें और भी घट गईं। ऑप्शन का उचित मूल्य बढ़कर 20,000 रुपये हो गया और संस्था चौथे वर्ष के अंत में ऋण चुकाने का फैसला करती है।

वर्ष 4 के अंत में ऑप्शन के उचित मूल्य में परिवर्तन और ऋण की शीघ्र चुकौती को दर्शाने वाली लेखांकन प्रविष्टियाँ निम्नानुसार हैं:

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

		नामे (₹)	करोड़ (₹)
एम्बेडेड ऑप्शन	नामे	11,000	
लाभ या हानि			11,000
(ऋण की शीघ्र चुकौती)			
ऋण साधन (होस्ट)	नामे	4,93,080	
देयता की मान्यता रद्द करने पर हानि	नामे	56,920	
एम्बेडेड ऑप्शन (व्युत्पन्न परिसंपत्ति) में			20,000
नकद में			5,30,000

17. यदि ग्राहक से प्राप्त अग्रिम राशि पूर्व भुगतान या कार्य की प्रगति के अनुसार की जाने वाली अदायगी की पाई जाती है, तो इन्हें गैर-मौद्रिक मदों के रूप में माना जाएगा।

तदनुसार, इस मामले में, पीक्यूआर लिमिटेड को 1 फरवरी को 3,000 अमेरिकी डॉलर का अग्रिम भुगतान प्राप्त होता है, जिसे वह 1 फरवरी, 20X2 को विनिमय दर का उपयोग करके अपनी कार्यात्मक मुद्रा में परिवर्तित करता है। इंड एएस 21 के पैराग्राफ 23(ख) को लागू करते हुए, कंपनी गैर-मौद्रिक देयता की परिवर्तित राशि को अपडेट नहीं करती है।

इंड एएस 115, ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व को लागू करते हुए, यह दो वर्षों की अवधि में राजस्व को मान्यता देता है।

चूंकि, कंपनी वर्ष के अंत में राजस्व को दर्शाती है, इसलिए 5,000 अमेरिकी डॉलर का राजस्व पहले वर्ष के अंत में मान्यता प्राप्त होगा।

पीक्यूआर लिमिटेड ने निर्धारित किया है कि 3,000 अमेरिकी डॉलर का प्रतिफल उसके द्वारा पहले वर्ष में प्रदान की गई सेवा से संबंधित है। पहले वर्ष के अंत में, कंपनी शेष प्रतिफल में से 2,000 अमेरिकी डॉलर हेतु बिना शर्त अधिकार की हकदार है।

तदनुसार, पहले वर्ष के अंत में, 31 मार्च 20X3 को, यह 5,000 अमेरिकी डॉलर का राजस्व मान्यता देती है, जिसमें से 3,000 अमेरिकी डॉलर अनुबंध देयता को मान्यता न देकर मान्यता दी जाएगी और कोई विनिमय उतार-चढ़ाव शामिल नहीं होगा। 2,000 अमेरिकी डॉलर का शेष राजस्व लेनदेन की तिथि पर विनिमय दर का परिवर्तन करके मान्यता दी जाएगी और प्राप्य (मौद्रिक

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

परिसंपत्ति) को मान्यता दी जाएगी और 31 मार्च 20X3 को विनिमय दर पर परिवर्तन किया जाएगा।

यह प्राप्य की परिवर्तित राशि को तब तक अद्यतन करेगा जब तक कि 31 मार्च 20X4 को प्राप्य का निपटान नहीं हो जाता है और लाभ या हानि में संबंधित लाभ या हानि को मान्यता देता है।

दूसरे वर्ष के अंत में 31 मार्च 20X4 को, यह लेनदेन की तिथि पर विनिमय दर का उपयोग करते हुए 5,000 अमेरिकी डॉलर के शेष राजस्व को मान्यता देता है।

18. व्यापार के पुनर्स्थानान्तरण पर देय 5,00,000 रुपये का विनिमय लाभ लाभ या हानि में दर्ज किया जाता है [€ 1,00,000 x (105 – 100) = 5,00,000 रुपये]

₹3,00,000 का अतिरिक्त विनिमय लाभ लाभ या हानि विवरण में दर्ज किया जाता है [$1,50,000 x (87 – 85) = ₹3,00,000]

31 मार्च, 20X3 को ₹100 = ₹1,00,00,000 की दर से ऋण का पुनर्स्थानान्तरण किया गया, तथा लाभ या हानि विवरण में ₹5,00,000 का अतिरिक्त विनिमय लाभ दर्ज किया गया।

अत: ए लिमिटेड वर्ष हेतु अपने लाभ पर पहुंचने में ₹13,00,000 (5,00,000 + 3,00,000 + 5,00,000) का संचयी विनिमय लाभ दर्ज करता है।

इसके अलावा, ए लिमिटेड माल की बिक्री पर ₹22,50,000 (₹1,05,00,000 – ₹1,27,50,000) का सकल लाभ दर्ज करता है।

कैश फ्लो विवरण

परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह (अप्रत्यक्ष विधि)

विवरण	राशि (₹)
कर-पूर्व लाभ (22,50,000 + 13,00,000)	35,50,000
अवास्तविक विनिमय लाभ/हानि का समायोजन:	
दीर्घकालिक ऋण पर विदेशी मुद्रा लाभ	(5,00,000)
व्यापार देयताओं में कमी	(5,00,000)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पहले परिचालन नकदी प्रवाह	25,50,000
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन (व्यापार देयताओं में वृद्धि के कारण)	1,05,00,000
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	1,30,50,000

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

वित्तपोषण गतिविधि से नकदी प्रवाह	1,05,00,000
नकद और नकद समतुल्य में शुद्ध वृद्धि	2,35,50,000
अवधि की शुरुआत में नकद और नकद समतुल्य	2,00,000
अवधि के अंत में नकद और नकद समतुल्य (डब्ल्यूएन)	2,37,50,000

टिप्पणी: कराधान को नजरअंदाज किया गया है।

कार्य टिप्पण:

अंतिम नकद और नकद समतुल्य

विवरण	राशि (₹)
नकद और नकद समतुल्य का प्रारंभिक शेष	2,00,000
जोड़ें: व्यापार प्राप्य के निपटान से प्राप्त	1,30,50,000
जोड़ें: ऋण के रूपांतरण से प्राप्त	1,05,00,000
	2,37,50,000

19. (i) आरओयू परिसंपत्ति और पट्टा देयता की गणना:

वर्ष	पट्टा भुगतान / क्रय मूल्य	पीवीएफ @ 10%	लीज़ भुगतान का पीवी
1	8,00,000	0.909	7,27,200
2	8,00,000	0.826	6,60,800
3	8,00,000	0.751	6,00,800
4	8,00,000	0.683	5,46,400
5	64,00,000 (8,00,000 + 56,00,000)	0.621	39,74,400
			65,09,600

कंपनी अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन (5 वर्ष) पर उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति का परिशोधन करेगी। वार्षिक परिशोधन व्यय ₹13,01,920 (₹ 65,09,600 / 5 वर्ष) होगा। तदनुसार, पहले वर्ष के अंत में आरओयू परिसंपत्ति शेष ₹52,07,680 (₹65,09,600 - ₹13,01,920) है।

(ii) वर्ष 1 के अंत में प्रस्तुति:

तुलन पत्र में	लाभ और हानि में	नकदी प्रवाह विवरण में
आरओयू परिसंपत्ति: ₹52,07,680 (डब्ल्यूएन2)	मूल्यह्रास = ₹13,01,920 (डब्ल्यूएन2)	वित्तपोषण गतिविधियों से नकदी प्रवाह: पट्टा भुगतान = ₹8,00,000
पट्टा देयता: ₹63,60,560	ब्याज व्यय (वित्त लागत) = ₹6,50,960 (डब्ल्यूएन1)	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(डब्ल्यूएन1)		

(iii) उपरोक्त भाग (i) में, यह माना गया कि पट्टेदार यथोचित रूप से निश्चित था कि वह 5वें वर्ष के अंत में ऑप्शन का प्रयोग करेगा, इसलिए पट्टा के भुगतान के निर्धारण में इस पर विचार किया गया है। अब, पट्टेदार तीसरे वर्ष के अंत में ऑप्शन का प्रयोग कर रहा है, जिसका अर्थ है कि अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने के **ऑप्शन के मूल्यांकन में परिवर्तन हुआ है।** इसलिए, आईएफआरएस 16 के पैरा 39 और 40(क) लागू होंगे जो इस प्रकार हैं (*केवल प्रासंगिक भाग ही यहाँ दिया गया है*):

39 प्रारंभ तिथि के पश्चात, पट्टेदार पट्टे के भुगतान में परिवर्तनों को दर्शाने हेतु पट्टा देयता के पुनः मूल्यांकन हेतु अनुच्छेद 40 - 43 को लागू करेगा। पट्टेदार <u>पट्टा देयता के पुनः मूल्यांकन</u> की राशि को <u>उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति</u> में समायोजन के रूप में चिन्हित करेगा।

40 पट्टेदार संशोधित छूट दर का उपयोग करके संशोधित पट्टा भुगतानों में छूट देकर पट्टा देयता का पुनर्मूल्यांकन करेगा,

यदि या तो:

(क)

(ख) **अंतर्निहित परिसंपत्ति खरीदने के ऑप्शन के मूल्यांकन में परिवर्तन होता है,** जिसका मूल्यांकन खरीद ऑप्शन के संदर्भ में पैराग्राफ 20 - 21 में वर्णित घटनाओं एवं परिस्थितियों पर विचार करके किया जाता है। पट्टेदार खरीद ऑप्शन के तहत देय राशि में परिवर्तन को दर्शाने के लिए संशोधित पट्टा भुगतान निर्धारित करेगा।

इसलिए, विकल्प का प्रयोग करने के मूल्यांकन में परिवर्तन होने पर पट्टा देयता का पुनः मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

मूल पट्टा देयता 60,16,278 रुपये (कार्य टिप्पण 1) है। चूँकि तीसरे वर्ष के अंत में , परिसंपत्ति खरीदने के ऑप्शन के प्रयोग के कारण पट्टा रद्द हो गया है, इसलिए संशोधित पट्टा देयता ऑप्शन के प्रयोग पर भुगतान की गई राशि है, अर्थात 56,00,000 रुपये है। मूल पट्टा देयता और संशोधित पट्टा देयता के अंतर से उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति की वहन राशि कम हो जाएगी।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

तदनुसार, आरओयू परिसंपत्ति में समायोजन होगा

= ₹ 60,16,278–₹ 56,00,000 = ₹ 4,16,278.

जर्नल प्रविष्टि

विवरण		(₹)	(₹)
पट्टा दायित्व	नामे	4,16,278	
आरओयू परिसंपत्ति में			4,16,278
(आरओयू परिसंपत्ति में मूल पट्टा देयता और संशोधित पट्टा देयता में अंतर का समायोजन)			
पीपीई	नामे	21,87,562	
आरओयू परिसंपत्ति में			21,87,562
(₹26,03,840 (डब्ल्यूएन2 देखें) - ₹4,16,278)			
(आरओयू परिसंपत्ति शेष पट्टा विकल्प के प्रयोग पर पीपीई को हस्तांतरित)			
पट्टा देयता	नामे	56,00,000	
बैंक/लीज़ देय			56,00,000
(पट्टा देयता का उन्मूलन)			

टिप्पणी: हमने पट्टे पर दी गई परिसंपत्ति खरीदने के विकल्प का प्रयोग करने हेतु प्रविष्टि तक रोक (प्रश्न की आवश्यकता के अनुसार) दिया है। उचित मूल्य के कारण पीपीई के मूल्य में परिवर्तन की लेखांकन व्यवस्था पर यहां विचार नहीं किया गया है।

कार्य टिप्पण:

1. **तीसरे वर्ष के अंत में बकाया पट्टा देयता की गणना**

वर्ष	प्रारंभिक जमा (क)	ब्याज @ 10% (ख)	लीज़ भुगतान (ग)	अंतिम शेष (क) + (ख) - (ग)
	₹	₹	₹	₹
1	65,09,600	6,50,960	8,00,000	63,60,560
2	63,60,560	6,36,056	8,00,000	61,96,616
3	61,96,616	6,19,662	8,00,000	60,16,278

2. **तीसरे वर्ष के अंत में आरओयू परिसंपत्ति शेष की गणना**

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

वर्ष	प्रारंभिक शेष (क)	मूल्यह्रास (ख)	अंतिम शेष (क-ख)
	₹	₹	₹
1	65,09,600	13,01,920	52,07,680
2	63,60,560	13,01,920	39,05,760
3	61,96,616	13,01,920	26,03,840

20. (i) अनुदान तिथि पर, नियोक्ता व्यवस्था को इक्विटी सेटलमेंट शेयर-आधारित भुगतान के रूप में गणना करता है क्योंकि नकद में निपटान करने की कोई वर्तमान बाध्यता नहीं है।

जर्नल प्रविष्टियां

		₹	₹
कर्मचारी लाभ व्यय (4,000 x 1/5)	नामे	800	
शेयर-आधारित भुगतान रिज़र्व में			800

दूसरे वर्ष के अंत में, मैक्स लिमिटेड ने घोषित नीति में परिवर्तन के माध्यम से नकदी में निपटान करने का सृजन किया है:

कर्मचारी लाभ व्यय (4,000 x 1/5)	नामे	800	
शेयर-आधारित भुगतान रिज़र्व में			800

उपरोक्त प्रविष्टि पांच वर्ष की अवधि में 4,000 रुपये की प्राप्ति दर्ज करने के लिए है, जो कि वर्ष के अंत तक अपेक्षित थी।

शेयर-आधारित भुगतान रिजर्व	नामे	2,400	
शेयर-आधारित भुगतान देयता में (6,000 x 2/5)			2,400

मूल रूप से पुनर्वर्गीकरण मैक्स लिमिटेड द्वारा अपने स्वयं के शेयरों की पुनर्खरीद को दर्शाता है, इसलिए कोई अन्य व्यय मान्यता प्राप्त नहीं है। देयता का बाद का मापन नकद निपटान शेयर-आधारित भुगतान की अनिवार्यताओं का पालन होगा।

वर्ष 3 के अंत में, पुरस्कार का नकद-निपटान आधार पर लेखा निम्नानुसार किया जाएगा:

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

कर्मचारी लाभ व्यय	नामे	3,000	
शेयर-आधारित भुगतान देयता में (9,000x3/5–2,400)			3,000

(ii) दो कर्मचारियों के पुरस्कार के निपटान से शेष कर्मचारियों के मन में यह अपेक्षा पैदा हो सकती है कि जब वे नौकरी छोड़ेंगे तो उन्हें भी नकद राशि मिलेगी। हालांकि, यह निर्धारित करने हेतु निर्णय लेना आवश्यक होगा कि क्या किसी अलग लेनदेन में पहले की गई कार्रवाई लागू होगी है जिसके परिणामस्वरूप मैक्स लिमिटेड पर नकद निपटान दायित्व होता है। किसी भी विपरीत तथ्य के आधार पर, मैक्स लिमिटेड को शेष पुरस्कारों को नकद निपटान के रूप में मानना चाहिए, क्योंकि अब यह अपने द्वारा किए गए किसी भी समान अनुदान के वर्गीकरण पर फिर से विचार करता है और मूल्यांकन करता है कि क्या उसे उन्हें नकद-निपटान के रूप में पुनर्वर्गीकृत करना चाहिए।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान